महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान
(मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग का उपक्रम)
आर – 24,जोन –1 एम.पी.नगर भोपाल (मध्यप्रदेश)–462003
फोन नं.– 0755–2576209
ई–मेल maharshipatanjali2014@gmail.com
वेबसाइट www.mpssbhopal.org

क्र./म.प.सं.सं./अकादमिक/2019/1695 भोपाल दिनांक 20/9/19

प्रति,

प्राचार्य/संचालक
समस्त शासकीय/अशासकीय संस्कृत महाविद्यालय/विद्यालय/
परम्परागत संस्कृत विद्यालय मध्यप्रदेश

विषय :– राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा वर्ष 2019–20 ।

प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, के तत्वावधान में अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन देश के विभिन्न राज्यों में किया जाता है। इस अखिल भारतीय स्पर्धा में भाग लेने के लिये म.प्र. एवं छत्तीसगढ राज्यों से प्रतिभागियों के चयन हेतु राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर द्वारा राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन किया जाता है।

2. उपरोक्तानुसार राज्य स्तरीय स्पर्धा में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान म.प्र. की ओर से भाग लेने हेतु राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा का आयोजन **दिनॉक 22.10.2019 एवं 23.10.2019 (दो दिवसीय) तक माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया** में किया जा रहा है।

3. उक्त स्पर्धा में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल से सम्बद्धता प्राप्त शासकीय/अशासकीय संस्कृत महाविद्यालय/विद्यालय/परम्परागत संस्कृत विद्यालय में कक्षा 09वीं से 12वीं (पूर्वमध्यमा प्रथमखण्ड से उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड) में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थी निम्नानुसार स्पर्धाओं में भाग ले सकेंगे।

सं.क्रं.	स्पर्धायाः नाम	प्रत्येक विद्यालय से प्रतिभागी की संख्या
1.	काव्यकण्ठपाठः	1
2.	अमरकोषकण्ठपाठः	1
3.	अष्टाध्यायीकण्ठपाठः	1
4.	धातुरूपकण्ठपाठः	1
5.	भगवद्गीताकण्ठपाठः	1
6.	समस्यापूर्तिः	1
7.	अक्षरश्लोकी	1

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान से प्राप्त राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा की नियमावली एवं नामांकन प्रपत्र –4– पर संलग्न है इसी के आधार पर राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा वर्ष 2019–20 का आयोजन किया जावेगा।

4. उक्त प्रतिभाखोज चयन स्पर्धा की प्रत्येक स्पर्धा में प्रथम स्थान पर चयनित प्रतिभागियों को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय स्पर्धा में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की ओर से भाग लेने का अवसर प्रदान किया जावेगा।

5. राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा की प्रत्येक स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः रूपये 1500/–, 1000/– तथा 500/– एवं ट्राफी तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, म.प्र. की ओर से प्रदान किया जावेगा।

6. प्रत्येक विद्यालय से प्रत्येक स्पर्धा में 1–1 विद्यार्थी इस प्रकार 07 स्पर्धाओं के लिये अधिकतम 07 प्रतिभागी एवं 01 मार्गदर्शक शिक्षक को राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा में भाग लेने की पात्रता होगी। पत्र प्राप्त होते ही अपने विद्यालय में किसी वरिष्ठ शिक्षक के नेतृत्व में इस स्पर्धा की तैयारी प्रारम्भ करा देवे। यही मार्गदर्शक शिक्षक प्रतिभागियों के साथ आयोजन स्थल पर भेजे जावे। यदि प्रतिभागियों में बालिकायें सम्मिलित होती है तो मार्गदर्शक के रूप में महिला शिक्षिका का साथ में आना अनिवार्य होगा। **सभी 07 प्रतिभागियों एवं 01 मार्गदर्शक शिक्षक/शिक्षिका (अधिकतम 8) को आने–जाने का द्वितीय श्रेणी का रेल किराया अथवा बस (नान एसी) का किराया जो भी न्यूनतम हो महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल की ओर से प्रदान किया जावेगा। आने की टिकट की मूल प्रति एवं जाने के टिकट की छायाप्रति आयोजन स्थल पर जमा करने पर आने–जाने के किराये की राशि प्रदान की जावेगी। किसी भी स्थिति में व्यक्तिगत रूप से लाया गया वाहन/टैक्सी के देयकों का भुगतान नही किया जायेगा।**

7. प्रतिभागियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया की ओर से उपलब्ध कराई जावेगी। चूँकि प्रतिस्पर्धा दिनॉक 22.10.2019 को प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ हो जावेगी अतः उचित होगा कि समस्त प्रतिभागी विद्यार्थी अपने मार्गदर्शक शिक्षक के साथ दिनॉक 21.10.2019 रात्रि 08:00 बजे तक आयोजन स्थल माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया **में पहुँच जाये।** दतिया रेलवेस्टेशन सेन्ट्रल रेलवे के दिल्ली –मुबंई मार्ग पर स्थित है। रेल मार्ग से झॉसी 25 किलोमीटर एवं ग्वालियर 72 किलोमीटर पर स्थित है। कार्यक्रम का समापन दिनॉक 23.10.2019 को सायं 06:00 बजे तक होगा। अतः प्रतिभागियों को यह परामर्श दिया जाता है कि वह अपने वापस जाने का कार्यक्रम सायं 07:00 बजे के बाद का ही बनावे।

8. प्रतिभागी मार्गदर्शक शिक्षक आयोजन स्थल पर पहुँचकर संलग्न प्रपत्र 1से 3 पर वर्णित नामांकन पत्र भरकर आयोजन स्थल के कन्ट्रोल रूम में अनिवार्य रूप से जमा करे।

9. इस आयोजन के समन्वयक प्रभारी श्री गोविंद प्रसाद त्रिपाठी, प्राचार्य, माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया है जिनका दूरभाष क्रमांक 9425935355 है। स्पर्धा/आयोजन स्थल के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये इनसे संपर्क किया जा सकता है। आपके विद्यालय की ओर से सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों/शिक्षकों की सूचना कार्यक्रम के एक सप्ताह पूर्व श्री गोविंद प्रसाद त्रिपाठी, को दूरभाष पर अनिवार्य रूप से दे ताकि छात्रों की आवास एवं भोजन व्यवस्था पूर्व में ही व्यवस्थित रूप से हो सके। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल की ओर से कार्यक्रम प्रभारी श्री क्षत्रवीर सिंह राठौर, सहायक निदेशक रहेंगे जिनका दूरभाष क्रमांक 8989566419 से भी संपर्क किया जा सकता है।

10. राज्य स्तर पर संस्कृत एवं इसके साहित्य में सन्निहित ज्ञान का प्रचार–प्रसार कर इस क्षेत्र में युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना इस स्पर्धा का उद्देश्य है। इन स्पर्धाओं में विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों के प्रतिभागियों के आपसी मेल–जोल से प्रतियोगी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अपने देश की सभ्यता, संस्कृति को जानने का सुअवसर प्राप्त होगा। अतः महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के इस महत्वपूर्ण आयोजन में अपनी प्रतिभागिता कर अपना सहयोग प्रदान करने हेतु अनुरोध है।

(प्रभातराज तिवारी)
निदेशक
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान
भोपाल

पृ.क्रं./म.प.सं.सं. कमांक/अकादमिक /2019/ 1696 भोपाल दिनांक 20/9/19

प्रतिलिपि :–

1. प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग म.प्र. एवं अध्यक्ष, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल ओर सूचनार्थ।
2. आयुक्त, लोक शिक्षण म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
3. संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
4. समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, म.प्र. की ओर सूचनार्थ।
5. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी म.प्र. की ओर भेजकर संस्थान के इस महत्वपूर्ण आयोजन में आपके जिले में स्थित समस्त शासकीय/अशासकीय संस्कृत महाविद्यालय/विद्यालय/परम्परागत संस्कृत विद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित कराने हेतु अनुरोध है।
6. जिला शिक्षा अधिकारी दतिया की ओर की भेजकर सम्पूर्ण आयोजन की मानीटरिंग सुनिश्चित करें।
7. प्रबंधक/प्राचार्य माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
8. श्री क्षत्रवीर सिंह राठौर,सहायक निदेशक महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल/ प्रभारी श्री गोविंद प्रसाद त्रिपाठी,प्राचार्य /समन्वयक माँ पीताम्बरा संस्कृत विद्यापीठ्म दतिया, जिला –दतिया की ओर प्रतियोगिता आयोजन /समन्वयन कार्य संपादित करने हेतु ।

निदेशक
महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान
भोपाल

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम् नवदेहली
राज्य स्तरीय शास्त्रीया स्पर्धा
2019–20
नियमावलिः

सं.क्रं.	स्पर्धायाः नाम स्पर्धालुना अध्येतव्यः ग्रन्थश्च	भागग्रहणाय अर्हता / स्पर्धाविवरणम्	पुरूस्कारः
1.	काव्यकण्ठपाठः कुमारसम्भवस्य 6,7,8 सर्गाः	• संस्कृतविश्वविद्यालयेषु / पारम्परिकसंस्कृत शिक्षणसंस्थासु पूर्वमध्यमा / उत्तरमध्यमा / प्राक्शास्त्रिकक्षायां / तत्समकक्षायाम् / गुरूकुले अधीयानाः छात्राः। (गुरूकुले अधीयानानां वयोमितिः 01–01–2019 तमे दिनॉक 18 वर्षाणि अतीतानि न स्युः। • एकस्य एव अवसरः। • भाषणस्पर्धायां / शलाकापरीक्षायाम् / शास्त्रार्थ –विचारे अन्यकण्ठपाठस्पर्धासु वा यः भागं गच्छति सः अत्र भागं ग्रहीतुं नार्हति। • निर्णायकाः निर्दिष्टग्रन्थभागे प्रत्येकं सर्गस्य विभिन्नस्थानेषु स्पर्धालोः परीक्षणं कुर्यः। निर्णायकैः उद्धृतात् स्थानात्, यावत् पर्यन्तं निर्णायकाः श्रोतुमिच्छन्ति तावत् पर्यन्तं स्पर्धालुना श्लोकाः श्रावणीयाः।	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम–द्वितीय–तृतीय–स्थान– भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु रूपेण / ग्रन्थरूपेण / धनराशि–रूपेण वा पुरूस्काराः राज्य स्तरीयस्पर्धायोजक संस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्य नुसारेण प्रदीयन्ते।

dd23

	अमरकोषकण्ठपाठः संपूर्णः अमरकोषः	• संस्कृतविश्वविद्यालयेषु/पारम्परिकसंस्कृतशिक्षणसंस्थासु पू. मध्यमा/उ. मध्यमा/ प्राक्शास्त्रिकक्षायां/ तत्समकक्षायाम्/ गुरुकुले अधीयानाः छात्राः। (गुरुकुले अधीयानानां वयोमितिः -01-01-2019 तमे दिनाङ्के 18 वर्षाणि अतीतानि न स्युः।) • एकस्य एव अवसरः। • भाषणस्पर्धायां/शलाकापरीक्षायाम्/शास्त्रार्थ -विचारे अन्यकण्ठपाठस्पर्धासु वा यः भागं गृह्णाति सः अत्र भागं ग्रहीतुं नार्हति। • अस्यां स्पर्धायां सकृत् (कस्मिंश्चित् वर्षे) स्वर्णपदकेन पुरस्कृतः अनन्तरवर्षेषु पुनः अस्यां स्पर्धायां भागग्रहणाय न अनुमन्यते। • निर्णायकाः निर्दिष्टग्रन्थभागे प्रत्येकं काण्डस्य विभिन्नस्थानेषु स्पर्धालोः परीक्षणं कुर्युः। निर्णायकैः उद्धृतात् स्थानात्, यावत् पर्यन्तं निर्णायकाः श्रोतुमिच्छन्ति तावत् पर्यन्तं स्पर्धालुना श्लोकाः श्रावणीयाः।	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय-स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थान-भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि-रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।
3	अष्टाध्यायीकण्ठपाठः सम्पूर्णा अष्टाध्यायी	• संस्कृतविश्वविद्यालयेषु/पारम्परिकसंस्कृत शिक्षणसंस्थासु पू. मध्यमा/उ. मध्यमा/ प्राक्शास्त्रिकक्षायां/ शास्त्रिकक्षायां/ आचार्यकक्षायां/ तत्समकक्षायाम्/ गुरुकुले वा अधीयानाः/कस्यचिद्विदुषः सन्निधौ स्वाध्यायशीलाः वा छात्राः। (गुरुकुले अधीयानानां/विद्वत्सन्निधौ स्वाध्यायरतानां वयोमितिः -01-01-2019 तमे दिनाङ्के 28 वर्षाणि अतीतानि न स्युः।) • एकस्य एव अवसरः। • भाषणस्पर्धायां/शलाकापरीक्षायाम्/शास्त्रार्थ -विचारे अन्यकण्ठपाठस्पर्धासु वा यः भागं गृह्णाति सः अत्र भागं ग्रहीतुं नार्हति। • अस्यां स्पर्धायां सकृत् (कस्मिंश्चित् वर्षे) स्वर्णपदकेन पुरस्कृतः अनन्तरवर्षेषु	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय-स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थान-भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि-रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।

		पुनः अस्यां स्पर्धायां भागग्रहणाय न अनुमन्यते। • निर्णायकाः निर्दिष्टग्रन्थभागे प्रत्येकम् अध्याये विभिन्नस्थानेषु स्पर्धालोः परीक्षणं कुर्युः। निर्णायकैः उद्धृतात् स्थानात्, यावत् पर्यन्तं निर्णायकाः श्रोतुमिच्छन्ति तावत् पर्यन्तं स्पर्धालुना सूत्राणि श्रावणीयानि।	
4	**धातुरूपकण्ठपाठः** निर्दिष्टानां 100 धातूनां दशसु लकारेषु सर्वाणि कर्तरि, कर्मणि/भावे रूपाणि लटि ण्यन्त-सन्नन्तरूपाणि च।	• संस्कृतविश्वविद्यालेषु/पारम्परिकसंस्कृतशिक्षणसंस्थासु पू. मध्यमा/उ. मध्यमा/ प्राक्शास्त्रिकक्षायां/ शास्त्रिकक्षायां/ आचार्यकक्षायां/ तत्समकक्षायाम्/ गुरुकुले वा अधीयानाः/कस्यचिद्विदुषः सन्निधौ स्वाध्यायशीलाः वा छात्राः। (गुरुकुले अधीयानानां/विद्वत्सन्निधौ स्वाध्यायरतानां वयोमितिः -01-01-2019 तमे दिनाङ्के 28 वर्षाणि अतीतानि न स्युः।) • एकस्य एव अवसरः। • भाषणस्पर्धायां/शलाकापरीक्षायाम्/शास्त्रार्थ -विचारे अन्यकण्ठपाठस्पर्धासु वा यः भागं गृह्णाति सः अत्र भागं ग्रहीतुं नार्हति। • अस्यां स्पर्धायां सकृत् (कस्मिंश्चित् वर्षे) स्वर्णपदकेन पुरस्कृतः अनन्तरवर्षेषु पुनः अस्यां स्पर्धायां भागग्रहणाय न अनुमन्यते। • निर्णायकैः पृष्टानां स्पर्धार्थं निर्दिष्टधातूनां निर्दिष्टलकारेषु रूपाणि स्पर्धालुना वक्तव्यानि।	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय-स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-ततीय-स्थान-भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि-रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।

	धातुरूपकण्ठपाठनिमित्तं निर्दिष्टाः धातवः • **भ्वादिगणे** 1. भू-सत्तायाम्, 2. हसे-हसने, 3. पठ-व्यक्तायां वाचि, 4. रक्ष-पालने, 5. चद-[illegible]यां वाचि, 6. गम्लृ-गतौ, 7. दृशिर्-प्रेक्षणे, 8. पा-पाने, 9. ष्ठा-गतिनिवृतौ, 10. घ्रा-गन्धोपादाने, 11. षद्लृ-विशरणगत्यवसादनेषु, 12. डुपचष्-पाके, 13. णम-प्रह्वत्वे शब्दे च, 14. स्मृ-आध्याने, 15. जि-जये, 16. श्रु-श्रवण, 17. कृष-विलेखने, 18. वस-निवासे, 19. त्यज-हानौ, 20. षेवृ-सेवने, 21. डुलभष्-प्राप्तौ, 22. वृधु-वृद्धौ, 23. मुद-हर्षे, 24. षह-मर्षणे, 25. वृतु-वर्तने, 26. ईक्ष-दर्शने, 27. णीञ्-प्रापणे, 28. हृञ्-हरणे, 29. टुयाचृ-याञ्चायाम्, 30. वह-प्रापणे। • **अदादिगणे** 31. अद-भक्षणे, 32. अस-भुवि, 33. इण्-गतौ, 34. रुदिर्-अश्रुविमोचने, 35. ञिष्विप्-शये, 36. दुह-प्रपूरणे, 37. लिह्-आस्वादने, 38. हन-हिंसागत्योः, 39. ष्टुञ्-स्तुतौ, 40. या-प्रापणे, 41. पा-रक्षणे, 42. शासु-अनुशिष्टौ, 43. विद-ज्ञाने, 44. आस-उपवेशने, 45. शीङ्-स्वप्ने, 46. इङ्-अध्ययने, 47. ब्रूञ्-व्यक्तायां वाचि। • **जुहोत्यादिगणे** 48. हु-दानादानयोः, 49. ञिभी-भये, 50. ह्री-लज्जायाम्, 51. डुभृञ्-धारणपोषणयोः, 52. ओहाक्-त्यागे, 53. माङ्-माने शब्दे च, 54. डुदाञ्-दाने, 55. डुदाञ्-धारणपोषणयोः। • **दिवादिगणे** 56. दिवु-क्रीडा..कान्तिगतिषु, 57. नृती-गातृविक्षेपे, 58. णश-अदर्शने, 59. भ्रमु-अनवस्थाने, 60. श्रमु-तपसि खेदे च, 61. षिवु-तन्तुसन्ताने, 62. षूङ्-प्राणिप्रसवे, 63. शो-तनूकरणे, 64. पद-गतौ, 65. कुप-क्रोधे, 66. युध-संप्रहारे, 67. जनी-प्रादुर्भावे। • **स्वादिगणे** 68. चिञ्-चयने, 69. आप्लृ-व्याप्तौ, 70. शकलृ-शक्तौ, 71. अशू-व्याप्तौ संघाते च, 72. षुञ्-अभिषवे। • **तुदादिगणे** 73. तुद-व्यथने, 74. इष-इच्छायाम्, 75. लिख-अक्षरविन्यासे, 76. प्रच्छ-ज्ञीप्सायाम्, 77. स्पृश-संस्पर्शने, 78. कृ-विक्षेपे, 79. गृ-निगरणे, 80. क्षिप-प्रेरणे, 81. मृङ्-प्राणत्यागे, 82. मुच्लृ मोक्षणे। • **रुधादिगणे** 83. रुधिर्-आवरणे, 84. भिदिर्-विदारणे, 85. छिदिर्-द्वैधीकरणे, 86. हिसि-हिंसायाम्, 87. युजिर्-योगे, 88. भञ्जो-आमर्दने, 89. भुज-पालनाभ्यवहारयोः। • **तनादिगणे** 90. तनु-विस्तारे, 91. डुकृञ्-करणे। • **क्र्यादिगणे** 92. डुक्रीञ्-द्रव्यविनिमये, 93. ज्ञा-अवबोधने, 94. बन्ध-बन्धने, 95. मन्थ-विलोडने, 96. ग्रह-उपादाने। • **चुरादिगणे** 97. चुर-स्तेये, 98. चिति-स्मृत्याम्, 99. भक्ष-अदने, 100. कथ-वाक्यप्रबन्धे		
5	**भगवद्गीताकण्ठपाठः** सम्पूर्णम्	• संस्कृतविश्वविद्यालयेषु/पारम्परिक संस्कृतशिक्षणसंस्थासु पू. मध्यमा/उ. मध्यमा/ प्राक्शास्त्रिकक्षायां/ तत्समकक्षायाम्/ गुरुकुले अधीयानाः छात्राः। (गुरुकुले अधीयानानां वयोमितिः -01-01-2019 तमे दिनाङ्के 18 वर्षाणि अतीतानि न स्युः।) • एकस्य एव अवसरः। • भाषणस्पर्धायां/शलाकापरीक्षायाम्/शास्त्रार्थ-विचारे अन्यकण्ठपाठस्पर्धासु वा यः भागं	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय- स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थान- भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु- रूपेण/ ग्रन्थरूपेण/धनराशि- रूपेण वा पुरस्काराः राज्य- स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।

		गृह्णाति सः अत्र भागं ग्रहीतुं नार्हति। • निर्णायकाः निर्दिष्टग्रन्थभागे प्रत्येकम् अध्यायस्य विभिन्नस्थानेषु स्पर्धालोः परीक्षणं कुर्युः। निर्णायकैः उद्धृतात् स्थानात्, यावत् पर्यन्तं निर्णायकाः श्रोतुमिच्छन्ति तावत् पर्यन्तं स्पर्धालुना श्लोकाः श्रावणीयाः।	
6	**समस्यापूर्तिः**	• समस्यापूर्तौ, अक्षरश्लोकीस्पर्धायां च तदर्थमेव चितौ द्वौ (समस्यापूर्तौ एकः, अक्षरश्लोक्यामेकः) भागं ग्रहीतुमर्हतः। **उपर्युक्तासु स्पर्धासु यादृशस्तरीयाः अर्हाः तत्तत्स्तरीयाः अत्रापि अर्हाः।** तावुभौ अतिरिच्य प्रत्येकं राज्यात् आगतस्पर्धालुगणस्य अन्ये सर्वे सदस्याः अपि भागं ग्रहीतुमर्हन्ति। अर्थात् भाषणस्पर्धायां/अष्टाध्यायी-कण्ठपाठे/काव्य कण्ठपाठे/ अमरकोषकण्ठपाठे धातुरूपकण्ठपाठे/शास्त्रार्थविचारे वा ये भागं गृह्णन्ति ते अपि समस्यपूर्तौ अक्षरश्लोक्यां च भागं ग्रहीतुमर्हन्ति। • समस्यापूर्तिनिमित्तं समस्यात्रयं स्पर्धास्थाने उद्घोष्यते। एकघण्टाकाले प्रत्येकं स्पर्धार्थिना न्यूनातिन्यूनं समस्याद्वयं पूरणीयम् (दत्तपङ्क्तिमुपयुज्य श्लोकरचना कर्तव्या) • अक्षरश्लोक्याम् अधोनिर्दिष्टग्रन्थेभ्यः एव श्लोकाः स्वीकरणीयाः 1. स्वप्नवासवदत्तम्, 2. रघुवंशम्, 3. कुमारसम्भवम्, 4. बुद्धचरितम्	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय- स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थान- भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि- रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।
7	**अक्षरश्लोकी**		• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय- स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थान- भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि- रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।

		(अश्वघोषस्य) 5. सौन्दरानन्दम् (अश्वघोषस्य) 6. किरातार्जुनीयम्, 7. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, 8. विक्रमोर्वशीयम्, 9. मालविकाग्निमित्रम्, 10. मेघदूतम्, 11. नैषधीयम्, 12. उत्तररामचरितम्, 13. शिशुपालवधम्, 14. मृच्छकटिकम्, 15. मुद्राराक्षसम्, 16. भर्तृहरेः सुभाषितत्रिशती, 17. गङ्गाधरशास्त्रिप्रणीतः अलिविलासिसंलापः, 18. श्रीशङ्करभगवत्पादविरचिता सौन्दर्यलहरी, 19. शिवमहिम्नस्तोत्रम्, 20. महिषासुरमर्दिनीस्तोत्रम्, 21. पण्डितराजजगन्नाथस्य पञ्च लहर्यः गङ्गालहरी (पीयूषलहरी), अमृतलहरी, करुणालहरी (विष्णुलहरी), लक्ष्मीलहरी, सुधालहरी, 22. पण्डितराज-जगन्नाथविरचित-भामिनीविलासः , 23. शिवशतकम् एतेभ्यः ग्रन्थेभ्यः सर्वे श्लोकाः स्वीकर्तुं शक्यन्ते। • पूर्ववर्तिना स्पर्धालुना पठितस्य श्लोकस्य तृतीयपादगतं प्रथमाक्षरं गृहीत्वा स्वस्वपर्याये स्पर्धालुः श्लोकं पठेत्। यथा- 'कश्चित् कान्ता.....' इति मेघदूतश्लोके पठिते सति क्रमागतपर्यायः स्पर्धी यकारेणारभ्यमाणं श्लोकं पठेत्। • स्पर्धां परिसमापयितुम् उपलब्धसमयं, स्पर्धायाः गतिं च वीक्ष्य स्पर्धारम्भानन्तरं क्रमेण नियमाः निर्णायकैः परिशोधयिष्यन्ते। • कस्मिंश्चिद्वर्षे राष्ट्रस्तरीयायाम् अक्षरश्लोक्यां स्वर्णपदकेन पुरस्कृतःपुनः अस्याम् अक्षरश्लोक्यां भागग्रहणाय नानुमन्यते।	

शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा	• संस्कृतविश्वविद्यालयेषु/पारम्परिकसंस्कृत शिक्षण-संस्थासु शास्त्रिकक्षायां/ आचार्यकक्षायां/विद्यावारिधि कक्षायां/तत्समकक्षायाम्/गुरुकुले वा अधीयानाः/कस्यचिद्विदुषः सन्निधौ स्वाध्यायशीलाः वा छात्राः। (गुरुकुले अधीयानानां/विद्वत्सन्निधौ स्वाध्यायरतानां वयोमितिः -01-01-2019 तमे दिनाङ्के 28 वर्षाणि अतीतानि न स्युः।) शास्त्रीयस्फूर्तिस्पार्धायां (QUIZ) प्रतिराज्यं द्वयोः एकः गणः भागं ग्रहीतुमर्हति। एतद्गणसदस्यौ इतरस्पर्धासु भागग्रहीतारौ, एतदर्थमेव चितौ वा भवितुमर्हतः। केवलशास्त्रसंबद्धाः विषयाः भवन्ति।	• प्रथमस्थानभाजे राष्ट्रस्तरीय- स्पर्धायां भागग्रहणाय अवसरः कल्प्यते। • प्रथम-द्वितीय-तृतीय स्थान भाजां कृते प्रमाणपत्राणि। • प्रमाणपत्राण्यतिरिच्य वस्तु-रूपेण/ग्रन्थरूपेण/धनराशि- रूपेण वा पुरस्काराः राज्य-स्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थाभिः उपलब्धानुदानराश्यनुसारेण प्रदीयन्ते।

* उपर्युक्तासु स्पर्धासु प्रत्येकं स्पर्धायां निर्णयकाले प्रथम-द्वितीय-तृतीयस्थानेषु प्रत्येकं स्थाने यदि द्वयोः स्पर्धाल्वोः बहूनां वा समाङ्काः आयान्ति तर्हि तयोः स्पर्धाल्वोः/तेषां स्पर्धालूनां समाङ्कभञ्जनाय पुनः स्पर्धा (आशुस्पर्धा) आयोज्येत।

* आहत्य प्रत्येकं संस्थायाः/प्रत्येकं गुरुकुलस्य (प्रति-स्पर्धालुगणं) अष्टाविंशतिः स्पर्धालवः (भाषणेषु प्रतिविषयम् एकैकः इति 10, शलाकासु प्रतिविषयम् एकैकः इति प्रकारेण-7, काव्यकण्ठपाठ-अष्टाध्यायीकण्ठपाठ-अमरकोषकण्ठपाठ-धातुरूपकण्ठपाठ-भगवद्गीताकण्ठपाठ-समस्या पूर्ति-अन्त्याक्षरी-स्पर्धासु एकैकः, शास्त्रार्थविचारे द्वौ स्फूर्तिस्पर्धायां द्वौ चेत्याहत्य 28) राज्यस्तरीयायां शास्त्रीयस्पर्धायां भागं ग्रहीतुमर्हन्ति।

* राज्यस्तरीयस्पर्धासु चिताः, अखिलभारतीय(राष्ट्रस्तरीय)-शास्त्रीयस्पर्थायाः नियमावल्यां (पृ.सं. 2 तः 8) दर्शितरीत्या अर्हतावन्तः एव अखिलभारतीयायां (राष्ट्रस्तरीयायां) स्पर्धायां भागं ग्रहीष्यन्ति।

राज्यस्तरीय-स्पर्धासु भागग्रहणाय नामाङ्कनार्थं प्रक्रिया

➢ उपरि निर्दिष्टासु राज्यस्तरीय-स्पर्धासु भागग्रहणचिकीर्षवः/स्पर्धार्थिनः तदर्थं स्वस्वसंस्थामाध्यमेन स्वगुरु- कुलमाध्यमेन स्वगुरोः माध्यमेन वा निर्दिष्टप्रपत्रं प्रपूर्य राज्यस्तरीयस्पर्धायोजकसंस्थायै सम्प्रेष्य नामाङ्कनं कुर्युः।

➢ राज्यस्तरीयस्पर्धा कस्य राज्यस्य कुत्र भविष्यति? तदायोजकाः के? राज्यस्तरीयस्पर्धायै नामाङ्कनाय निर्दिष्टं प्रपत्रम् इत्यादि विवरणम् अग्रिमेषु पृष्ठेषु अवलोकनीयम्।

राज्यस्तरीय–शास्त्रीयस्पर्धायां भागं ग्रहीतुमर्हाणं नामांकनाय प्रपत्रम्

(राज्यस्तरीय–शास्त्रीयस्पर्धायाः नियमावलिं परिशील्य स्वसंस्थायाः पक्षतः एतत् प्रपत्रं प्रपूर्य प्रेषणीयम्)

सूचना– एतस्मिन् पंजीकरणपत्रे स्पष्टतया देवनागर्या एव नामानि लेखनीयानि। एतदनुसृत्यैव प्रमाणपत्रेषु नामानि लिखितानि भवेयुः।

संस्थायाः/गुरूकुलस्य/गुरोः नाम –.....

संस्थायाः स्वरूपम् – संस्कृतविश्वविद्यालयः/महाविद्यालयः/गुरूकुलम्/अध्यापकगृहम्/आ.शोधसंस्था (यदुचितं तत् चिह्नीकुर्वन्तु)

सङ्केतः –.....

राज्यम् –.....

सं.क्रं.	स्पर्धायाः नाम यत्र भागग्रहणाय चितः	स्पर्धार्थिनः नाम देवनागर्या	कक्षा	अधीयानं शास्त्रम्	वयः (01.01.2019 दिनॉङ्के यथा)
1.	काव्यकण्ठपाठः				
2.	अमरकोषकण्ठपाठः				
3.	अष्टाध्यायीकण्ठपाठः				
4.	धातुरूपकण्ठपाठः				
5.	भगवद्गीताकण्ठपाठः				
6.	समस्यापूर्तिः *				
7.	अक्षरश्लोकी *				

*राज्यतः समस्यापूर्तेः अन्त्याक्षर्याः च निमित्तमेव पृथक्–पृथक् चितयोः नाम 6, 7 क्रमांकयोः पुरतः कोष्ठके उल्लेखनीयम्। तौ अतिरिच्य प्रत्येकं स्पर्धिगणस्य अन्येऽपि सदस्याः अनयोः स्पर्धायोः (समस्यापूर्तौ अन्त्याक्षर्यौ च) स्वस्य इच्छामनुसृत्य भागं तदर्थं ग्रहीतुमर्हन्ति। तदर्थं स्वीयनामानि निर्दिष्टपृथक्पत्रे (संलग्नयोः प्रपत्रसंख्या–2, प्रपत्रसंख्या –3, इत्यनयोः)प्रपूर्य दद्युः।

अस्मत्संस्थातः राज्यस्तरीयस्पर्धायै आगन्तृणां संख्या –

बालकाः	बालिकाः	मार्गदर्शकः	मार्गदर्शिका	आहत्य संख्या	
				पुरूषाः	स्त्रियः

प्रमाणीकरोमि यत् उपरि निदिष्टाः छात्राः अस्मत्संस्थायाम्/अस्मद्गुरूकुले/मत्सविधे अधीयानाः उपरि दर्शितरीत्या राज्यस्तरीय तत्तत्स्पर्धासु भागग्रहणाय आजिगमिषन्ति।

छात्रदल–मार्गदर्शकस्य/मार्गदर्शिकायाः नाम

दूरवाणी –

ईमेल –

प्राचार्य/संस्थाप्रमुखस्य हस्ताक्षरम्

(गुरोः गृहे अधीयानानाम् आवेदनपत्रं चेत् गुरोः हस्ताक्षरम्)

dd24

प्रपत्रसङ्ख्या-2

राज्यस्तरीय-शास्त्रीयस्पर्धा: 2019-2020

समस्यापूर्तिस्पर्धायै नामाङ्कनपत्रम्

समस्यापूर्तिनिमित्तमेव पृथक् चितस्य, यस्य नाम प्रपत्रसंख्या ! इत्यत्र 6 तमे कोष्ठके पूर्वमेव उल्लिखितं, तस्य नाम पुन: अत्र न लेखनीयम्। महाविद्यालयस्य/गुरुकुलस्य अर्हस्पर्धिगणस्य अन्ये ये सदस्या: (अन्यस्पर्धासु भागग्रहिण:) समस्यापूर्तौ अपि भागग्रहणम् इच्छन्ति तेषां नामाङ्कनम् अत्र भवेत्।

संस्थाया: नाम .....

क्र.सं	स्पर्धार्थिन: नाम	

प्रपत्रसङ्ख्या-3

राज्यस्तरीय-शास्त्रीयस्पर्धा: 2019-2020

अक्षरश्लोकीस्पर्धायै नामाङ्कनपत्रम्।

अक्षरश्लोकी-स्पर्धार्थमेव पृथक् चितस्य, यस्य नाम प्रपत्रसंख्या । स्थाने 7 तमे कोष्ठके पूर्वमेव उल्लिखितं, तस्य नाम न लेखनीयम्। महाविद्यालयस्य/गुरुकुलस्य अर्हस्पर्धिगणस्य अन्ये ये सदस्या: (अन्यस्पर्धासु भागग्रहिण:) अक्षरश्लोक्याम् ग्रहणम् इच्छन्ति तेषां नामाङ्कनम् अत्र भवेत्।

नाम .....

.....

स्पर्धार्थिन: नाम	